एजुकेशन

अकाउंटिंग और ऑडिटिंग फील्ड में रोजगार के अवसर

काउंटिंग और ऑडिटिंग के क्षेत्र में कुशल पेशेवरों की मांग बनी रहती है। अकाउंटिंग में आपको किसी संस्था में रोजाना होने वाले लेन-देन का हिसाब रखना होता है, जबकि ऑडिटर को संस्था की अकाउंटिंग बुक्स की समीक्षा करनी होती है। कंपनियां ऑडिटिंग खुद करती हैं या इसके लिए किसी बाहरी संस्था की मदद लेती हैं। लेकिन इन पेशों में हिसाब-किताब ही नहीं, और भी काफी कुछ करना होता है। मोटे तौर पर अकाउंटेंट्स या ऑडिटर्स किसी कंपनी का वित्तीय रिकॉर्ड तैयार करते हैं और उसकी जांच करते हैं। अकाउंटेंट के किए काम की जांच करना ही ऑडिटर का मुख्य काम होता है।

सरकारी क्षेत्र में प्रवेश

कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) ऑडिटर्स व अकाउंटेंट समेत विभिन्न पदों के लिए नियुक्ति का माध्यम बनता है। एसएससी की प्रवेश परीक्षा पास कर आप सरकारी क्षेत्र में प्रवेश पा सकते हैं। सार्वजनिक क्षेत्रों के बैंकों, आयकर या सीमा शुल्क कार्यालयों, सार्वजनिक क्षेत्र की किसी भी इकाई जैसे बिजली बोर्ड आदि में भी नौकरी मिल सकती है।

इन पेशों में कैसे रखें कदम- कुछ विश्वविद्यालय और कॉलेज 12वीं में प्राप्त अंकों और तय मापदंडों के आधार पर बनी मेरिट लिस्ट के अनुसार इसके बैचलर या डिप्लोमा कोर्स में प्रवेश देते हैं। कुछ प्रवेश परीक्षा, ग्रुप डिस्कशन व साक्षात्कार के बाद प्रवेश देते हैं। आगे अकाउंटेंट या ऑडिटर के पेशे में बेहतर मुकाम पाने के लिए लाइसेंस व सर्टिफिकेशन अर्जित करने पढ़ते हैं।

ऑडिटिंग के लोकप्रिय सर्टिफिकेशन

आईसीएआई सर्टिफिकेशन (भारत)- चार्टर्ड अकाउंटेंट बनने के लिए 12वीं पास छात्रों को कॉमन प्रोफिशिएंसी टेस्ट (सीपीटी) देना जरूरी होता है। यह परीक्षा साल में दो बार जून और दिसंबर में आयोजित की जाती है। ग्रेजुएशन के आधार पर प्रवेश लेने वाले छात्रों को सीपीटी देना तब अनिवार्य होता है, जब कॉमर्स ग्रेजुएट ने 55 फीसदी से कम अंक प्राप्त किए हों या साइंस व आर्ट्स ग्रेजुएट ने 60 फीसदी से कम अंक प्राप्त किए हों।

सर्टिफाइड इंटरनल ऑडिटर (सीआईए)- वैश्विक स्तर पर एक ऑडिटर के तौर पर काम करने के योग्य होने के लिए एक अकाउंटेंट के पास यह सर्टिफिकेशन होना चाहिए। यह सर्टिफिकेशन इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनल ऑडिटर्स (आईआईए) द्वारा कराया जाता है।

योग्यता- उम्मीदवार ग्रेजुएट होना चाहिए। सीआईए प्रोग्राम में शामिल होने के बाद चार साल की अवधि में इसकी सभी परीक्षाएं पास करनी होती है। इसके अलावा दो साल का इंटरनल ऑडिट में अनुभव चाहिए होता है। एमकॉम पास करने वालों के लिए एक साल का अनुभव जरूरी है।

ऑडिटिंग में नौकरी के मौके - भारत में ऑडिटर्स के पास इंटरनल ऑडिटर, एक्सटर्नल ऑडिटर, गवर्नमेंट ऑडिटर, फॉरेंसिक ऑडिटर आदि बनने के मौके होते हैं। यह मौके मेन्युफैक्चरिंग सेक्टर, इंश्योरेंस व बैंकिंग सेक्टर, कॉर्पोरेट, पब्लिक सेक्टर, एनजीओ आदि में मिल सकते हैं।

अकाउंटेंसी के प्रमुख सर्टिफिकेशन

अकाउंटेंसी के क्षेत्र में बहुत से सर्टिफिकेशन उपलब्ध हैं। इनमें से कुछ विशेष हैं- .

एसोसिएशन ऑफ चार्टर्ड सर्टिफाइड अकाउंटेंट्स- अकाउंट मैनेजमेंट के क्षेत्र में उपलब्ध मौकों तक पहुंचने के लिए एसीसीए को पासपोर्ट माना जाता है। यह सर्टिफिकेशन छात्रों को अकाउंटिंग और फाइनेंस में बेहतर प्रबंधन के लिए तैयार करता है। .

योग्यता- 12वीं पास के लिए इस सर्टिफिकेशन की अवधि तीन साल है। कॉमर्स ग्रेजुएट के लिए इसकी अवधि दो से ढाई साल होती है। इस सर्टिफिकेशन के जरिए मैनेजमेंट अकाउंटिंग एग्जीक्यूटिव, अकाउंट एग्जीक्यूटिव, क्रेडिट असिस्टेंट, असिस्टेंट फ्यूचर्स ट्रेड, असिस्टेंट टैक्स ऑफिसर आदि पदों पर काम मिलेगा।

सर्टिफाइड मैनेजमेंट अकाउंटेंट (सीएमए)- किसी बहुराष्ट्रीय कंपनी के वित्तीय रिकॉर्ड पर नजर रखने वाले अकाउंटेंट का सर्टिफाइड मैनेजमेंट अकाउंटेंट होना अनिवार्य है। सीएमए (अमेरिका) के लिए इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट अकाउंटेंट प्रमाण-पत्र जारी करता है और इसकी अवधि छह माह की होती है। जबकि सीएमए (इंडिया) के लिए इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया प्रमाणपत्रजारी करता है, जिसका कोर्स तीन से चार साल की अवधि का होता है।.

शैक्षिक योग्यता- बैचलर डिग्री के साथ अतिरिक्त कोर्स किया हो या फिर फाइनेंस और अकाउंटिंग में डिग्री होनी चाहिए। इस कोर्स के लिए दो साल का अनुभव जरूरी है।

पद- फाइनेंस मैनेजर, अकाउंटिंग मैनेजर, बजटिंग मैनेजर, इंटरनल ऑडिटर, इनवेस्टमेंट मैनेजर, कॉस्टिंग मैनेजर, फाइनेंशियल मैनेजर आदि।

सर्टिफाइड पब्लिक अकाउंटेंट (सीपीए)- यह अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त सर्टिफिकेशन है। सीए व समकक्ष कोर्स वाले, एमकॉम और एमबीए किएहुए उम्मीदवार यह सर्टिफिकेशन कोर्सकर सकते हैं। इसके लिए ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन के आधार पर क्रेडिट आवर्स तय होते हैं। हालांकि बीकॉम के आधार को बहुत कम राज्यों ने स्वीकार किया है। इस सर्टिफिकेशन की परीक्षा डेढ़ साल की अवधि में पूरी करनी होती है।

इन सॉफ्टवेयर्स की भी हो समझ- छोटी कंपनियों में ईआरपी, टैली, क्विकबुक्स जैसे सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल होता है। जबकि बड़ी कंपनियों में जोहोबुक्स, बिजी, मार्ग जैसे सॉफ्टवेयर इस्तेमाल होते हैं, पहले से इनकी समझ उम्मीदवारी बढ़ाती है।

कमाई के कहीं बेहतर मौके

इन क्षेत्रों में अच्छी डिग्री और बढ़िया अनुभव के साथ कमाई के मौके बेहतर होते जाते हैं। भारत में एक ऑडिटर की औसत तनख्वाह तीन से चार लाख रुपये सालाना और अकाउंटेंट के तौर पर दो से साढ़े तीन लाख रुपये सालाना हो सकती है। पद के अनुरूप वेतन बढ़ता है।

जीएसटी बिल को स्कैन करने वाला देश का पहला एप आइरिस पेरिडॉट लॉन्च

नई दिल्ली (आरएनएस)। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के एक साल पूरा होने के मौके पर आइरिस बिजनेस सर्विसेज लिमिटेड ने मंगलवार को जीएसटी बिल और दस्तावेजों को स्कैन करने वाला देश का पहला एप आइरिस पेरिडॉट लॉन्च किया। यह एप पलक झपकते ही जीएसटीआईएन आईडी की सत्यता को जांचता है और करदाता के रिटर्न फाइलिंग अनुपालन की स्थिति बता देता है।

बीएसई में सूचीबद्ध आइरिस बिजनेस सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड देश की अग्रणी जीएसटी सुविधा प्रदाता कंपनियों में से है। भारत की कई बड़ी कंपनियां अपनी जीएसटी फाइलिंग की जरूरतों के लिए आइरिस के प्लेटफॉर्म

का इस्तेमाल करती हैं। जीएसटी को एक परिवर्तनकारी पहल मानते हुए आइरिस ने कारोबार को आसान बनाने और कर अनुपालन को बेहतर करने के लिए जीएसटी से जुड़े कई समाधान पेश किए हैं। आइरिस पेरिडॉट उन्हीं में से एक है। पेरिडॉट एक ऐसा एप है, जिसकी मदद से कोई उपयोक्ता जीएसटी सिस्टम से प्रमाणित करते हुए तत्काल करदाता से जुड़ी विस्तृत जानकारी और कर अनुपालन की उसकी स्थिति का पता लगा सकता है। इसमें यूजर को काफी सहूलियतें मिलती हैं। यूजर इसकी मदद से अपने फोन के कैमरा से किसी भी इनवॉइस या दस्तावेज को स्कैन कर सकता है। इसके बाद यह एप एआइ/एमएल (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस/मशीन लैंग्वेज) तकनीक का इस्तेमाल करते हुए उन दस्तावेजों पर लिखे हुए ढेर सारे शब्दों के बीच से जीएसटीआईएन की पहचान करता है और आइरिस जीएसपी एपीआइ कनेक्ट की मदद से करदाता के रिटर्न की विस्तृत जानकारी मुहैया करा देता है।

फेक न्यूज रोकने को करोड़ो खर्च करेगा यू-ट्यूब

न्यू यॉर्क (आरएनएस)। गूगल की विडियो प्लैटफॉर्म कंपनी यू-ट्यूब भ्रामक सूचनाओं पर शिकंजा कसने और समाचार संगठनों की मदद के लिए खबर की सच्चाई परखने के लिए कई कदम उठा रही है। इसके अलावा कंपनी इन चुनौतियों से मुकाबला करने के लिए 2.5 करोड़ डॉलर का निवेश भी करेगी। यूट्यूब ने यह जानकारी दी है। कंपनी ने सोमवार को कहा कि वह समाचार स्रोतों को और अधिक विश्वसनीय बनाएगी। खासतौर से ब्रेकिंग न्यूज के मामले में एहतियात बरतेगी जहां गलत सूचनाएं आसानी से फैल सकती हैं।

अगस्त से 35,000 रुपये तक महंगी हो जाएंगी होंडा की कारें

नई दिल्ली (आरएनएस)। कार निर्माता कंपनी होंडा कार्स इंडिया ने सोमवार को अपने विभिन्न मॉडलों की कीमतों में 10,000 रुपये से लेकर 35,000 रुपये तक की बढ़ोतरी की घोषणा की है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि बढ़ी हुई कीमतें 1 अगस्त से लागू होंगी। कंपनी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (बिक्री और विपणन) राजेश गोयल के हवाले से एक बयान में कहा गया, ''इनपुट लागत पर बढ़ते दबाव के कारण, पिछले कुछ महीनों में उच्च शुल्क वृद्धि और उच्च माल ढुलाई के प्रभाव के कारण, हमें अपनी कारों की कीमतों में वृद्धि करने पर विचार करने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

आइडिया- वोडाफोन के विलय को सरकार ने दी मंजूरी

नई दिल्ली (आरएनएस)। दूरसंचार मंत्रालय ने सोमवार को वोडाफोन इंडिया और आइडिया सेल्युलर के विलय को सशर्त मंजूरी दे दी। इस विलय के बाद बनने वाली नई कंपनी देश की सबसे बड़ी दूरसंचार सेवा प्रदाता कंपनी होगी। सूत्रों के द्वारा बताए खबर में दूरसंचार विभाग ने सोमवार को वोडाफोन-आइडिया के विलय को मंजूरी दे दी। अंतिम अनुमति के लिए उन्हें कुछ शर्तों का पालन करना होगा। विभाग ने आइडिया सेल्युलर को वोडाफोन के स्पेक्ट्रम के लिए 3,926 करोड़ रुपये का नकद भुगतान करने और 3,342 करोड़ रुपये की बैंक गारंटी जमा कराने के लिए कहा है।

गौरतलब है कि विलय के बाद बनने वाली कंपनी देश की सबसे बड़ी दूरसंचार सेवा प्रदाता कंपनी होगी जिसका मूल्य डेढ़ लाख करोड़ रुपये से अधिक (23 अरब डॉलर) होगा। नयी कंपनी की बाजार हिस्सेदारी 35 प्रतिशत होगी और इसके ग्राहकों की संख्या लगभग 43 करोड़ होगी। इस विलय से कजजू के बोझ में दबी दोनों दूरसंचार कंपनियों को थोड़ी राहत मिलेगी क्योंकि बाजार में प्रतिस्पर्धा कम हो जाएगी। दोनों कंपनियों का कुल ऋण करीब 1.15 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है।

सामान्य ज्ञान प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु General Knowledge

- इस वंश का अंतिम राजा कीर्तिवर्मन द्वितीय था। इस इसके सामंत दन्तिदुर्ग ने परास्त कर एक नये वंश की स्थापना की।
- एहोल को मंदिरों का शहर कहा जाता है।
- बेंगी के चालुक्य वंश का संस्थापक विष्णुवर्धन था। इसकी राजधानी बेंगी में थी।
- इस वंश के प्रमुख शासक थे- जयसिंह प्रथम, इन्द्रवर्धन, विष्णुवर्धन द्वितीय, जयसिंह द्वितीय एवं विष्णुवर्धन-तीन
- इस वंश के सबसे प्रतापी राजा विजयादित्य तृतीय था, जिसका सेनापति पंडरंग था।
- 9 वीं शताब्दी में चोल वंश पल्लवों के ध्वंसावशेषों पर स्थापित हुआ। इस वंश के संस्थापक विजयालय थे। जिसकी राजधानी तांजाय था। तंजावूर का वास्तुकार कुंजरमल्लन राजराज पेरूथच्चन था।
- विजयालय ने नरकेसरी की उपाधि धारण की और निशुम्भुसूदिनी देवी का मंदिर बनावाय।
- चोलों का स्वतंत्र राज्य आदित्य प्रथम ने स्थापित किया।
- पल्लवों पर विजय पाने के उपरांत आदित्य प्रथम ने कोदण्डराम की उपाधि धारण की।
- चोल वंश के प्रमुख राजा थे- परांतक-एक, राजराज-एक, राजेन्द्र-एक, राजेन्द्र-दो एवं कुलोत्तुंग।
-तक्कोलम के युद्ध में राष्ट्रकुट नरेश कृष्ण-दो ने परांतक-एक को पराजित किया। इस युद्ध में परांतक-एक का बड़ा लड़का राजादित्य मारा गया।
-राजराज प्रथम ने श्रीलंका पर आक्रामण किया। वहां के राजा महिम
- पांच को भागकर श्रीलंका के दक्षिण जिला रोहण में शरण लेनी पड़ी।
- राजराज-एक श्रीलंका के विजित प्रदेशों को चोल साम्राज्य का एक नया प्रांत मुम्डिचोलमंडलम बनाया और पोलन्नरूवा को इसकी राजधानी बनाया।
- राजराज-एक शैव धर्म का अनुयायी था। इसने तंतौर में राजराजेश्वर का शिवमंदिर बनाया।
- चोल साम्राज्य का सर्वाधिक विस्तार राजेन्द्र प्रथम के शासनकाल में हुआ है। बंगाल के पाल शासक महिपाल को पराजित करने के बाद राजेन्द्र प्रथम ने गंगैकोडचोल की उपाधि धारण की और नवीन राजधानी गंगैकोड चोलपुरम् के निकट चोलगंगम नामक विशाल तालाब का निर्माण करवाया।
- राजेन्द्र - दो ने प्रकेसरी की एवं वीर राजेन्द्र ने राजकेसरी की उपाधि धारण की।
- चोल वंश का अंतिम राजा राजेन्द्र-तीन था।
- चोलों एवं पश्चिमी चालुक्य के बीच शांति स्थापित करने में गोवा के कदम्ब शासक जयकेस प्रथम ने मध्यस्थ की भूमिका निभाई थी।
- विक्रम चोल अभाव एवं अकाल से ग्रस्त गरीब जनता से राजस्व वसूल कर चिदंबरम मंदिर का विस्तार करवा रहा था।
- कलोतुंग- दो ने चिदम्बरम मंदिर में स्थित गोविन्दराज की मूर्ति को समुद्र में फेंकवा दिया। कालान्तर में वैष्णव आचार्य रामानुजाचार्य ने उक्त मूर्ति का पुररूद्धार किया और उसे तिरूपति के मंदिर में प्राण प्रतिष्ठित किया।
- चोल प्रशासन में भाग लेने वाले उच्च पदाधिकारियों को पेरून्दरम् एवं निम्न श्रेणी के पदाधिकारियों को शेरून्दरन कहा जाता था।

हेल्थ

हार्टअटैक के बाद दिल की मांसपेशियों को दोबारा विकसित किया जा सकेगा

वैज्ञानिकों ने हार्टअटैक के बाद दिल के कोशिकाओं को दोबारा विकसित करने में सक्षम एक नया उपचार खोज निकाला है। वैज्ञानिकों का दावा है कि यह उपचार मरीजों में दिल की धड़कन रूकने की समस्या को रोकने में मददगार हो सकता है। हार्टअटैक के वक्त दिल में ऑक्सीजन की आपूर्ति बंद हो जाती है और इसकी मासपेशियां क्षतिग्रस्त हो जाती हैं। खत्म हो चुकी या खत्म होने जा रही कोशिकाओं को हटाने के लिए प्रतिरोधक कोशिकाओं को भेजा जाता है लेकिन ये कोशिकाएं क्षतिग्रस्त हो चुके दिल में जा कर जलन पैदा कर देती हैं और यह स्थिति दिल की धड़कन रूकने का कारण बन सकती है।

यूनिवर्सिटी ऑफ ऑक्सफोर्ड के शोधकर्ताओं ने पाया कि चूहों में हार्टअटैक के बाद वीईजीएफ-सी नामक प्रोटीन इंजेक्शन दिए जाने के बाद, क्षतिग्रस्त हो चुकी दिल की मासपेशियों की कोशिकाओं में काफी कमी आ गई। साथ ही इसने दिल को खून की आपूर्ति करने के लिए पूरी तरह से ठीक कर दिया। इसकी तुलना में जिस चूहे को उपचार नहीं मिला, उसके लगभग आधे दिल ने काम करना बंद कर दिया।

नीम और मेथी खाएं, बारिश में नहीं सताएंगे कील-मुंहासे

मानसूनी बारिश मई-जून की चिलचिलाती गर्मी से तो राहत दिलाती है, लेकिन त्वचा और बालों के लिए ढेरों मुसीबत भी साथ लाती है। हवा में नमी का स्तर बढ़ने और जीवाणुओं के अधिक सक्रिय हो जाने से व्यक्ति को कील-मुंहासे, एलर्जी व बाल झड़ने की समस्या का सामना करना पड़ता है। हालांकि त्वचा रोग विशेषज्ञों की मानें तो मानसून में कुछ सावधानियां बरतकर चेहरे और बालों की चमक बरकरार रखी जा सकती है।

त्वचा की रौनक बनाए रखना मुश्किल नहीं

1. तीन से चार बार चेहरा धोएं

-हवा में नमी ज्यादा होने से बारिश में त्वचा तैलीय होने और रोम छिद्रों में गंदगी जमने के कारण कील-मुंहासों व एलर्जी की आशंका रहती है। ऐसे में दिन में तीन से चार बार चेहरा धोएं। केमिकल युक्त साबुन या फेशवॉश के बजाय हर्बल उत्पाद का इस्तेमाल करें। मॉश्चराइजर कम ही लगाएं।

2. मसालेदार खाने से परहेज करें

-बारिश के मौसम में तैलीय और मसालेदार खाने से दूर रहने में ही भलाई है। तैलीय खाना जहां त्वचा को ऑयली बनाकर कील-मुंहासों को दावत देता है, वहीं मसालेदार पकवान शरीर का तापमान और रक्तप्रवाह बढ़ाकर खुजली, जलन व एलर्जी की समस्या पैदा करते हैं।

3 .कड़वी चीजें संक्रमण से बचाएंगी

-नीम की पत्ती, करेला और मेथी दाने जैसी कड़वी चीजों में संक्रमण से लड़ने वाले यौगिक पाए जाते हैं। एंटीऑक्सीडेंट से लैस हल्दी भी कील-मुंहासों और त्वचा एलर्जी से लड़ने में मददगार साबित होती है। अदरक, काली मिर्च, तुलसी, शहद, पुदीने से बनी चाय पीना भी फायदेमंद है।

4. पानी खूब पिएं, सनस्क्रीन लगाएं

-मानसून में उमस भरा मौसम डिहाइड्रेशन का कारण बन सकता है। ऐसे में दिन में आठ से दस गिलास पानी जरूर पिएं। सनस्क्रीन लगाए बिना घर से बाहर न निकलें, वरना 'सनबर्न' की शिकायत हो सकती है। हफ्ते-दो हफ्ते में एक बार स्क्रब जरूर करें। बेसन, शहद, नींबू के रस और दही से बना फेस पैक लगाएं।

बाल झड़ने की समस्या यूं दूर रखें

1. गुनगुने नारियल तेल से मालिश करें

-मानसून में बैक्टीरिया के अधिक सक्रिय होने से सिर की त्वचा में खुजली की शिकायत हो सकती है। लिहाजा हफ्ते में कम से कम दो बार हल्के हाथों से गुनगुने नारियल तेल की मालिश के बाद शैंपू करें, ताकि सिर से मृत त्वचा और बैक्टीरिया हट जाएं। रूसी की समस्या से जूझने वालों के लिए नारियल की जगह नीम के तेल का इस्तेमाल फायदेमंद रहेगा।

2. बारिश में भीगने के बाद शैंपू जरूरी

-हवा में मौजूद प्रदूषकों को समेटने वाला बारिश का पानी बाल झड़ने और रुखे होने का कारण बन सकता है। इसलिए बारिश में भीगने के बाद बाल शैंपू करना न भूलें। शैंपू के बाद हल्का कंडीशनर जरूर लगाएं। बाल सुखाने के लिए तौलिया कसकर न बाधें और न ही ड्रायर का इस्तेमाल करें। जड़ें कमजोर होने के चलते इससे बाल टूटने का खतरा बढ़ जाता है।